BSA
BROADCASTING STANDARDS AUTHORITY
TE MANA WHANONGA KAIPĀHO

कोड ऑफ ब्रॉडकास्टिंग स्टैन्डर्ड्स इन न्यूज़ीलैंड (न्यूज़ीलैंड में प्रसारण मानकों का कोड)

(फ्री-टू-एयर टीवी, रेडियो और पे टीवी)

अन्य हितधारकों और जनता के परामर्श से प्रसारकों और बीएसए द्वारा विकसित और 1 जुलाई 2022 से प्रभावी होने के लिए जारी किया गया।

इस संहिता और किसी भी पूर्ववर्ती बीएसए विषय सामग्री जैसे कि कोड, अभ्यास नोट्स और सलाहकार राय के बीच किसी भी असंगति के मामले में, यह संहिता मान्य होगी।

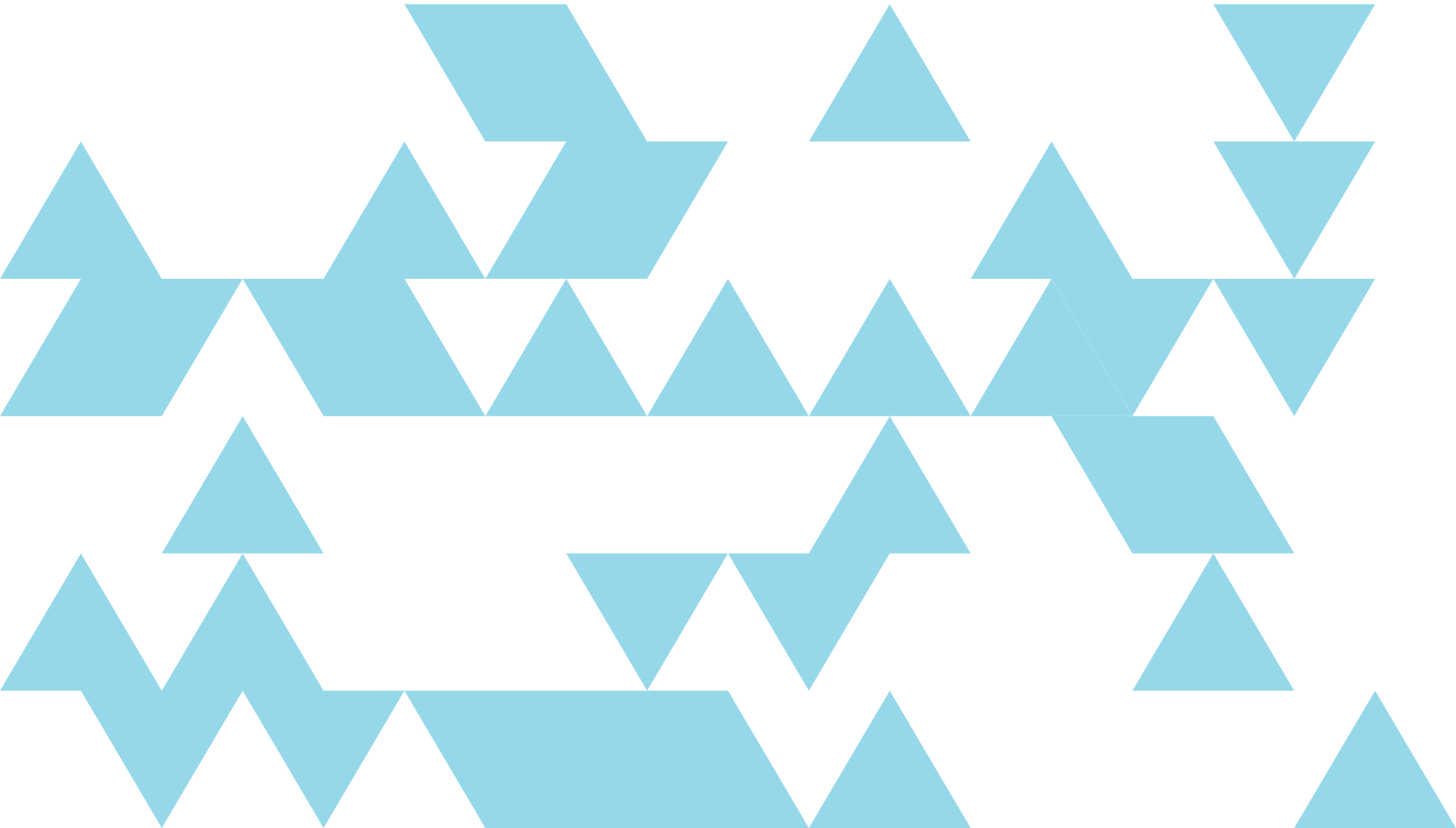

विषय सामग्री

परिचय 2

भाग 1 5

मानक 1 – आपत्तिजनक और परेशान करने वाली सामग्री 6

मानक 2 – बाल हित 9

मानक 3 – अवैध या असामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देना 10

मानक 4 – पक्षपात और अपमान (भेदभाव और बदनामी) 12

भाग 2 13

मानक 5 – संतुलन 14

मानक 6 – सटीकता 15

भाग 3 17

मानक 7 – गोपनीयता 18

मानक 8 – निष्पक्षता 19

बीएसए की शिकायत प्रक्रिया 21

परिचय

परिचय

जब हम प्रसारण कोडबुक को संशोधित करके भविष्य की ओर दृष्टि डालते हैं, तो अतीत हमें सीमित कर देता है।

यह कोड (संहिता) प्रसारण अधिनियम 1989 से प्राप्त हुआ है, जो 33 वर्षों से ज्यादातर अपरिवर्तित रहा है। लेकिन इस दौरान समाज अपनी जगह स्थिर नहीं रहा है, जिस वातावरण में संहिता संचालित होती है, उसमें बड़े बदलाव हुए हैं।

इंटरनेट, और इसके द्वारा सक्षम की गई तकनीकों ने संचार के तरीकों में, और सूचना तथा विषय सामग्री की विशाल मात्रा और विविधता तक पहुंच के योग्य बनाने में नाटकीय बदलाव किया है।

जहाँ समाज को बहुत लाभ हुए हैं, वहीं गलत सूचना और दुष्प्रचार, हानिकारक विषय सामग्री, ध्रुवीकरण, मीडिया क्षेत्र के 'पारंपरिक' तत्वों पर प्रभाव, जैसे कि प्रसारण और लोकतंत्र पर इन परिवर्तनों की भूमिका के बारे में भी बहुत चर्चा और चिंता है।

हम एक अधिक विविध समाज भी हैं (आओटियारोआ में 160 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं) जिसका परिणाम हुआ है विभिन्न रायों और दृष्टिकोणों की उपस्थिति। यह हमारे शोध में प्रतिबिंबित हुआ है, जो भेदभाव और बदनामी जैसे मुद्दों पर काफी अलग दृष्टिकोण दिखाता है।

यह एक आश्चर्यजनक रूप से बदलता हुआ वातावरण है जिसमें प्रसारकों के लिए जरूरी है कि वे समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को उचित रूप से निभाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले हमारे कानून की व्याख्या करें। हालांकि विषय सामग्री नियमन के नए दृष्टिकोणों के बारे में बहुत चर्चा हुई है, इसका पूरा होना अभी बाकी है।

इसका मतलब है कि हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है, कि जहाँ तक हमारा कानून अनुमति देता है, हमारा कोड आधुनिक संदर्भ को दर्शाता है और ऑडियंस (जिसमें दर्शक और श्रोता शामिल हैं) के लिए इसे समझना आसान है। हमें इसे इस तरह से भी करना चाहिए जिससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनावश्यक रूप से प्रतिबंध न लगे – जो मजबूत लोकतंत्रों की एक आधारशिला है, और जो न्यूज़ीलैंड बिल ऑफ राइट्स एक्ट (अधिकार अधिनियम के विधेयक) में संरक्षित है।

हम Te Tiriti o Waitangi (वायटांगी की संधि) में भागीदारी, सुरक्षा और भागीदारी के सिद्धांतों को भी स्वीकार करते हैं और tangata whenua (माओरी लोगों) की जरूरतों, आकांक्षाओं और सांस्कृतिक मूल्यों को ध्यान में रखते हैं। अथॉरिटी (प्राधिकरण) उन महत्वपूर्ण संबंधों को मान्यता देती है जिनकी गारंटी Te Tiriti में दी गई है और यह सुनिश्चित करने के लिए और अधिक काम करना है कि यह tangata whenua (माओरी लोगों), प्रसारकों और ऑडियंस के साथ अपने काम में ठीक से प्रतिबिंबित हो।

निम्नलिखित संहिता और दिशा-निर्देश, जिसे कई जगहों पर संक्षिप्त और अनुकूलित किया गया है, 1989 के बाद से हमने जो सीखा है, उसके लिए सही है, लेकिन यह भी दर्शाता है कि समाज आगे बढ़ गया है और ऐसा होना जारी रहेगा।

पृष्ठभूमि

प्रसारण अधिनियम 1989 (अधिनियम) प्रसारण मानकों की एक प्रणाली बनाता है। यह संहिता सभी प्रसारकों (रेडियो, फ्री-टू-एयर टेलीविज़न और पे टेलीविज़न सहित) और उनके ऑडियंस को मानकों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करती है। जब तक इस कोड को पेश नहीं किया गया था, तब तक प्रत्येक प्लेटफॉर्म (मंच) के लिए अलग-अलग कोड थे और महत्वपूर्ण अंतर कायम हैं जिन्हें स्वीकार किया गया है और जहाँ उपयुक्त है वहां प्रतिबिंबित किया गया है। चुनाव कार्यक्रमों हेतु एक पृथक कोड (संहिता) है।

अधिनियम लोगों को ब्रॉडकास्टर से शिकायत करने में सक्षम बनाता है यदि उन्हें लगता है कि मानकों का उल्लंघन किया गया है। जो लोग प्रसारक की प्रतिक्रिया से असंतुष्ट हैं, वे स्वतंत्र निर्णय के लिए अपनी शिकायत को प्रसारण मानक प्राधिकरण (बीएसए) को भेज सकते हैं।

ब्रॉडकॉस्टिंग स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (प्रसारण मानक प्राधिकरण) के बारे में

बीएसए को शिकायतों का निष्पक्ष और बिना किसी अनुचित औपचारिकता के निपटारा करना चाहिए और नैचुरल जस्टिस (नैसर्गिक न्याय) के नियमों का पालन करना चाहिए। हम आओटियारोआ न्यूज़ीलैंड के विविध समुदाय की समृद्धि को स्वीकार करते हैं और विभिन्न सांस्कृतिक संदर्भों में उचित रूप से शिकायतों का जवाब देने की कोशिश करते हैं, जिसमें जहाँ उपयुक्त हो, बाहरी सांस्कृतिक सलाह और स्वतंत्र अनुवाद या व्याख्याएं शामिल हैं।

बीएसए न्यूज़ीलैंड की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को देखने और बढ़ावा देने में अपनी भूमिका के प्रति भी जागरूक है, उदाहरण के लिए, स्वदेशी लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा और बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

न्यूजीलैंड एक उदार लोकतंत्र है जहाँ हम प्रसारकों की सामग्री की महत्वपूर्ण भूमिका को महत्व देते हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के अभ्यास के रूप में और इनके द्वारा बनाई गई सूचनाओं तथा विचारों के जीवंत और मजबूत आदान-प्रदान दोनों के लिए। ब्रॉडकास्टर्स (प्रसारक) शक्तिशाली को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं, हमारी पहचान व्यक्त कर सकते हैं, संस्कृति को प्रतिबिंबित और प्रोत्साहित कर सकते हैं। वे हमें दुनिया के बारे में सिखा सकते हैं और हमारा मनोरंजन कर सकते हैं।

हालांकि, जब मानकों का पालन नहीं किया जाता है तो नुकसान हो सकता है जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को सीमित करने को सही ठहरा सकता है। हमारी सह-नियामक शिकायत प्रणाली इसे मानती है। कानून और व्यावहारिक ज्ञान के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने से पहले हमें सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। न्यूज़ीलैंड बिल ऑफ़ राइट्स में कहा गया है कि ऐसा तभी होना चाहिए जब यह 'एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक समाज में स्पष्ट रूप से उचित हो'। एक प्रसारण में सार्वजनिक हित का स्तर भी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। संतुलन बनाना मुश्किल हो सकता है लेकिन जनहित में ऐसा करना प्राधिकरण की जिम्मेदारी है।

प्रसारक

प्रसारण मानक सभी आकारों के न्यूज़ीलैंड टीवी और रेडियो प्रसारकों पर लागू होते हैं। प्रत्येक प्रसारण मंच अपने ऑडियंस की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित करता है। Te Reo (माओरी भाषा) और te Ao Māori (माओरी संसार) का न्यूज़ीलैंड के समाज में एक विशेष संवैधानिक महत्व है और यह हमारे प्रसारण वातावरण में प्रतिबिंबित होता है।

पसंद और नियंत्रण

आप और आपकी देखभाल में बच्चों या युवा लोगों द्वारा टीवी या रेडियो पर क्या देखा जाए इसका चुनाव करने और इस पर नियंत्रण करने की क्षमता का अर्थ है सुरक्षित देखने या सुनने की जिम्मेदारी ऑडियंस (दर्शकों) द्वारा भी साझा की जाती है। प्रसारक दर्शकों को इसके लिए कई उपकरण प्रदान करते हैं, जैसे कि (पैतृक ताले), क्लासिफिकेशन (वर्गीकरण), ऑडियंस के लिए सलाह तथा फ्री-टू-एयर टीवी पर टाइमबैंड और रेडियो पर उपयुक्त शेड्यूलिंग तथा रेडियो पर ऑडियंस के लिए सलाह।

ऑडियंस के लिए उपलब्ध पसंद और नियंत्रण का स्तर यह निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण कारक है कि क्या स्वीकार्य है और क्या प्रसारकों ने अपनी जिम्मेदारियों को पूरा किया है या नहीं। विशेष रूप से, पे टीवी कम प्रतिबंधों के वातावरण में काम करता है क्योंकि ग्राहक प्रसारण प्राप्त करने के लिए भुगतान करते हैं।

मानक, दिशानिर्देश और टिप्पणी

निम्नलिखित पृष्ठों में हमने आठ मानकों को निर्धारित किया है जो टीवी और रेडियो प्रसारण पर लागू होते हैं, प्रत्येक के लिए दिशानिर्देशों के साथ, और हम कमेंट्री में इन पर विस्तार से बताते हैं। गाइडलाइन्स (दिशानिर्देश) और टिप्पणी बस केवल टिप्पणी ही हैं – वे निश्चित नियम नहीं हैं और इनका महत्व मानकों के बराबर नहीं होता। जब हम यह निर्धारित करते हैं कि किसी मानक का उल्लंघन हुआ है या नहीं, तो प्रत्येक मानक और उसके उद्देश्यों की शब्दावली पर नजर रहती है।

दिशानिर्देश और टिप्पणी यह सूचित करेंगे कि प्रत्येक मानक की व्याख्या कैसे की जाती है। इन्हें लचीलेपन की अनुमति देने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि मानकों को कैसे लागू किया जाता है और विशेष परिस्थितियों या संदर्भ के अनुसार उनकी कैसे व्याख्या की जाती है, जिसमें वह मंच भी शामिल है जिस पर सामग्री प्रसारित की गई थी।

भाग 1

सामाजिक उत्तरदायित्व

मानक 1 – आपत्तिजनक और परेशान करने वाली सामग्री

प्रसारण सामग्री को रुचि और शालीनता के सामुदायिक मानकों का गंभीरता से उल्लंघन नहीं करना चाहिए या ऑडियंस को असमान रूप से अपमानित या परेशान नहीं करना चाहिए, निम्न को ध्यान में रखते हुए:

- कार्यक्रम का संदर्भ और प्रसारण का व्यापक संदर्भ, तथा
- प्रसारक द्वारा दी गई जानकारी दर्शकों को अपने और अपने बच्चों को, देखने या सुनने पर पसंद और नियंत्रण करने में सक्षम बनाती है।

गाइडलाइन्स (मार्गदर्शिका)

सामान्य

1.1 यह मानक उन प्रसारणों को नियंत्रित करता है जिनमें यौन सामग्री, नग्नता, हिंसा या अभद्र भाषा, अथवा अन्य सामग्री होती है जिससे अपराध या संकट का कारण बनने की संभावना होती है।

आकलन करते समय ऐसी सामग्री का संदर्भ और प्रसारण के व्यापक संदर्भ पर विचार करना महत्वपूर्ण होता है इस बात का आकलन करने के लिए कि क्या किसी प्रसारण ने मानकों का उल्लंघन किया है। इसमें शामिल हो सकते हैं:

- कार्यक्रम में सार्वजनिक[1] हित
- प्रसारण की प्रकृति
- प्रसारण का वर्गीकरण (जहाँ प्रासंगिक हो)
- प्रसारण का समय (रेडियो और फ्री-टू-एयर टेलीविजन के लिए)
- ऑडियंस के लिए कोई सलाह / चेतावनी
- लक्षित और संभावित ऑडियंस
- कार्यक्रम और चैनल / स्टेशन से ऑडियंस की अपेक्षाएं
- प्रचार और प्रोमो (प्रचार) सहित सामग्री के बारे में दर्शकों के लिए उपलब्ध अन्य जानकारी
- कार्यक्रम पर प्रसारक के संपादकीय नियंत्रण का स्तर (जिसमें यह भी शामिल है कि प्रसारण लाइव या पूर्व-रिकॉर्ड किया गया था, या पास-थ्रू चैनल के माध्यम से प्राप्त किया गया था)
- अप्रत्याशित रूप से या अनजाने में प्रसारित संभावित आपत्तिजनक सामग्री के प्रभाव को कम करने के लिए प्रसारक द्वारा उठाए गए कोई भी कदम (उदाहरण के लिए किसी तीसरे पक्ष द्वारा)
- कोई अन्य सुरक्षा उपलब्ध है, उदाहरण के लिए फ़िल्टरिंग तकनीक।[2]

1.2 रेडियो कार्यक्रमों के लिए:

- टॉकबैक (रेडियो) एक राय वाला वातावरण होता है और जोरदार बहस के हितों में उत्तेजक और तीव्र (पैना) होने के लिए कुछ छूट दी जाती है।
- यदि किसी तीसरे पक्ष द्वारा गंभीर रूप से आपत्तिजनक सामग्री अनजाने में प्रसारित की जाती है, तो मानक के उल्लंघन की संभावना कम होती है यदि मेजबान तुरंत समस्या का समाधान कर लेता है।

दर्शकों की पसंद और नियंत्रण

1.3 जहाँ प्रसारक अपने कार्यक्रमों की प्रकृति के बारे में ऑडियंस को लगातार, विश्वसनीय जानकारी प्रदान करते हैं, और उन्हें अपने तथा अपने बच्चों के देखने या सुनने पर अपनी पसंद और नियंत्रण का उपयोग करने में सक्षम बनाते हैं, वहां मानकों के उल्लंघन की संभावना कम होती है।

टेलीविजन कार्यक्रमों का वर्गीकरण

1.4 टेलीविजन कार्यक्रमों को सही ढंग से वर्गीकृत किया जाना चाहिए, जिसमें समाचार, समसामयिक मामलों, खेल और लाइव सामग्री को छोड़कर सभी सामग्री पर निम्नलिखित वर्गीकरण प्रसारित होते हैं:

G – General: Approved for general viewing:
G – Arowhānui: Kua whakaaetia mō te mātakitaki a te katoa:
G (जी) – सामान्य: आमतौर पर देखने के लिए स्वीकृत: ऐसे कार्यक्रम जिनमें बच्चों के लिए अनुपयुक्त होने की संभावना वाली सामग्री को शामिल नहीं किया जाता है। जरूरी नहीं है कि कार्यक्रम बाल दर्शकों के लिए बनाए गए हों, लेकिन उनमें ऐसी विषय सामग्री नहीं होनी चाहिए जो उन्हें डराने या परेशान करने वाली हो।

PG – Parental Guidance: Parental Guidance recommended for younger viewers:
PG – Tohutohu ā-Matua: E tūtohua te Tohutohu ā-Matua mō ngā kaimātakitaki tamariki ake:
PG (पीजी) – माता-पिता का मार्गदर्शन: युवा दर्शकों के लिए माता-पिता के मार्गदर्शन की सिफारिश की जाती है: ऐसे कार्यक्रम जिनमें मैच्योर ऑडियंस (परिपक्व दर्शकों) के लिए अधिक

1 *सार्वजनिक हित का अर्थ है कि वह न्यूज़ीलैंड* की आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए चिंता का विषय है, या उसको प्रभावित करने की क्षमता रखता है। यह उस चीज़ से बढ़कर है जो केवल जनता के हित में है

2 *फ़िल्टरिंग तकनीक* एक टेलीविजन, सेट-टॉप बॉक्स या अन्य तरीके से प्रदान की गई तकनीक को संदर्भित करती है जो कुछ सामग्री को दर्शकों द्वारा प्रतिबंधित करने में सक्षम बनाती है। इसे पैरेंटल लॉक (पैतृक ताला), पैरेंटल कंट्रोल (पैतृक नियंत्रण), पिन कोड, रेटिंग लॉक या विषय-सामग्री फिल्टर के रूप में भी जाना जाता है।

उपयुक्त सामग्री होती है, लेकिन माता-पिता या वयस्क के मार्गदर्शन के अधीन होने पर बाल दर्शकों के लिए अनुपयुक्त नहीं होते हैं।

M – Mature Audiences: Suitable for mature audiences 16 years and over:
M – Ngā Kaimātakitaki Pakeke: E tika ana mā ngā kaimātakitaki pakeke 16 tau, pakeke atu:
M (एम) – परिपक्व ऑडियंस: 16 साल और उससे अधिक उम्र के परिपक्व ऑडियंस के लिए उपयुक्त: कार्यक्रमों में हिंसा, यौन सामग्री, आपत्तिजनक भाषा, वयस्क विषय, नग्नता, या अन्य सामग्री हो सकती है जो कुछ बच्चों और वयस्कों को चुनौतीपूर्ण लग सकती है। इसमें मध्यम प्रभाव वाली सामग्री और परिपक्व दृष्टिकोण की आवश्यकता वाले विषय शामिल हो सकते हैं।

16 – People under 16 years should not view:
16 – Kaua e mātakina e te hunga i raro i te 16 tau:
16 – इसे 16 साल से कम उम्र के लोगों को नहीं देखना चाहिए: सशक्त सामग्री या विशेष तत्वों वाले कार्यक्रम जो M (एम) वर्गीकरण से बाहर हैं। अधिक मात्रा में यौन सामग्री, आपत्तिजनक भाषा, यथार्थवादी हिंसा और प्रभावशाली वयस्क विषय शामिल हो सकते हैं।

18 – People under 18 years should not view:
18 – Kaua e mātakina e te hunga i raro i te 18 tau:
18 – इसे 18 साल से कम उम्र के लोगों को नहीं देखना चाहिए: कार्यक्रम जिनमें ऐसे विषय होते हैं, जो कुछ वयस्क ऑडियंस के लिए भी चुनौतीपूर्ण या आपत्तिजनक हो सकते हैं।

1.5 समाचार, करंट अफेयर्स, खेल और लाइव सामग्री, इसकी विशिष्ट प्रकृति के कारण, वर्गीकरण के अधीन नहीं है। यह सामग्री आम तौर पर वयस्कों के लिए होती है और उम्मीद की जाती है कि इसे देखने या सुनने वाले किसी भी बच्चे की निगरानी की जाएगी। हालांकि, प्रसारकों को बच्चों के हितों और अन्य प्रसारण मानकों के प्रति सचेत रहना चाहिए और जहाँ उपयुक्त हो, दर्शकों की सलाह शामिल करनी चाहिए, ताकि ऑडियंस को विवेक का प्रयोग करने में सक्षम बनाया जा सके।

1.6 टेलीविजन कार्यक्रमों के प्रचार को उस कार्यक्रम के वर्गीकरण का अनुपालन करना चाहिए जिसके दौरान वे स्क्रीन करते हैं।

दर्शको के लिए सलाह (चेतावनी सहित)

1.7 ऐसी सामग्री से पहले एक उपयुक्त सलाह प्रसारित की जानी चाहिए जो दर्शकों की अपेक्षाओं से बाहर हो, बच्चों को परेशान करे या दर्शकों के एक महत्वपूर्ण वर्ग को ठेस पहुंचाए या परेशान करे।

1.8 प्रत्येक मामले में क्या उपयुक्त है वह प्रसारण मंच, सामग्री की प्रकृति और प्रसारक के संपादकीय नियंत्रण के स्तर पर निर्भर करेगा। दर्शकों की सलाह हो सकती है:

- केवल मौखिक (केवल रेडियो पर)
- निम्नलिखित सलाहकार प्रतीकों में से एक या अधिक (टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए):

  C – content may offend
  C – ka mōrihariha pea ngā ihirangi
  C (सी) – सामग्री आपत्तिजनक हो सकती है

  L – language may offend
  L – ka mōrihariha pea te reo
  L (एल) – भाषा आपत्तिजनक हो सकती है

  V – contains violence
  V – he whakarekereke kei roto
  V (वी) – हिंसा शामिल है

  S – sexual content may offend
  S – ka mōrihariha pea ngā ihirangi hōkaka
  S (एस) – यौन सामग्री आपत्तिजनक हो सकती है

- एक अतिरिक्त लिखित, या लिखित और मौखिक, स्क्रीन पर दर्शकों के लिए सलाह या चेतावनी (टेलीविजन प्रोग्रामिंग के एक मजबूत स्तर या बच्चों को परेशान करने वाली सामग्री के लिए)।

-जहाँ सामग्री बलात्कार, यौन हिंसा या आत्महत्या जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करती है, या विस्तार से चित्रित करती है, वहां प्रसारक हैल्पलाइन जानकारी को शामिल करने का भी चुनाव कर सकते हैं।

1.9 एडवाइजरी (सलाह) प्रकृति में पर्याप्त रूप से विशेष होनी चाहिए ताकि ऑडियंस को उनके और उनके बच्चों के बारे में एक सूचित विकल्प बनाने के लिए, सामग्री के संपर्क में आने की अनुमति दी जा सके, उन विवरणों से बचते हुए जो असंगत रूप से परेशान या अपमानित कर सकते हैं।

टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए वर्गीकरण और ऑडियंस की सलाह प्रदर्शित करना

1.10 वर्गीकरण और कोई भी ऑडियंस सलाहकार चिह्न (C, L, V, S), स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाले और दर्शकों द्वारा विचार किए जाने योग्य होने चाहिए। इन्हें प्रदर्शित किया जाना चाहिए:

- जी या पीजी वर्गीकृत कार्यक्रमों की शुरुआत में
- कार्यक्रमों की शुरुआत में, और (फ्री-टू-एयर टीवी के लिए) एम, 16 या 18 वर्गीकृत सामग्री के लिए प्रत्येक ब्रेक के बाद।

1.11 टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए, वर्गीकरण, दर्शकों की सलाह/सलाहकार प्रतीकों (यदि कोई हो) और कार्यक्रम का विवरण भी इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्रामिंग गाइड, और मुद्रित मार्गदर्शिकाओं में जहाँ संभव हो, शामिल किया जाना चाहिए।

1.12 पे टीवी के लिए, यह माना जाता है कि बिना या बहुत सीमित संपादकीय हस्तक्षेप के विदेशी पास-थ्रू चैनलों के लिए दर्शकों की सलाह प्रदर्शित करना आमतौर पर अव्यावहारिक होगा।

जिम्मेदार शेड्यूलिंग (कार्यक्रम-निर्धारण)

1.13 संभावित और लक्षित दर्शकों, बच्चों की रुचियों, दर्शकों की पसंद और नियंत्रण का प्रयोग करने की क्षमता, और सभी लागू मानकों पर सावधानीपूर्वक विचार करते हुए, प्रसारकों को जिम्मेदारी से कार्यक्रम निर्धारित करना चाहिए।

1.14 पे टीवी के लिए, विशेष रूप से जहाँ फ़िल्टरिंग तकनीक उपलब्ध है, जिम्मेदार शेड्यूलिंग आमतौर पर यह सुनिश्चित करने के बारे में ज्यादा है कि किसी भी चैनल पर कार्यक्रम उस चैनल के लक्षित दर्शकों या उस चैनल की शैली के लिए उपयुक्त हैं, बजाय इसके, कि किस समय एक कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है, और यह मान्यता प्राप्त है कि प्रसारक पास-थ्रू चैनलों पर कार्यक्रमों को निर्धारित नहीं करता है।

1.15 जहाँ दर्शकों के लिए प्रभावी फ़िल्टरिंग तकनीक उपलब्ध है और प्रसारक द्वारा नियमित रूप से प्रचारित किया जाता है, टेलीविजन कार्यक्रमों के निर्धारण के बारे में शिकायतों को बरकरार रखने की संभावना कम होती है।

1.16 फ्री-टू-एयर कार्यक्रमों के लिए:

- G (जी) और PG (पीजी) कार्यक्रमों की स्क्रीनिंग किसी भी समय की जा सकती है।
- M (एम) कार्यक्रमों को सप्ताह के दिनों में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच दिखाया जा सकता है (स्कूल और सार्वजनिक छुट्टियों को छोड़कर, जैसा कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट किया गया है) और शाम 7.30 बजे से सुबह 5 बजे तक।
- 16 कार्यक्रम फ्री-टू-एयर टेलीविजन पर रात 8.30 बजे से सुबह 5 बजे तक दिखाए जा सकते हैं।
- 18 कार्यक्रम रात 9.30 बजे के बाद से सुबह 5 बजे तक दिखाए जा सकते हैं।
- G (जी) या PG (पीजी) प्रोग्रामिंग से M (एम), 16 या 18 प्रोग्रामिंग में किसी भी परिवर्तन के दौरान, M (एम), 16 और 18 वर्गीकृत सामग्री को निर्धारित करते समय प्रसारकों को विवेक का प्रयोग करना चाहिए।
- प्रसारकों को बच्चों के सामान्य रूप से स्वीकृत देखने के समय (दिशानिर्देश 2.1 देखें) के दौरान और विशेष रूप से बाल दर्शकों के उद्देश्य से कार्यक्रमों के दौरान वयस्क कार्यक्रमों (एम, 16 या 18) के लिए प्रचार शेड्यूल करने में बच्चों के हितों पर विचार करना चाहिए ताकि प्रचार के विषय और सामग्री कार्यक्रम वर्गीकरण के लिए अनुपयुक्त न हों।

1.17 भुगतान / सदस्यता कार्यक्रमों के लिए:

- G (जी), PG (पीजी), M (एम) या 16 वर्गीकृत कार्यक्रम किसी भी समय प्रदर्शित हो सकते हैं, बशर्ते कि अन्य लागू प्रसारण मानकों का पालन किया जाता है।
- 18 वर्गीकृत कार्यक्रम किसी भी समय प्रीमियम चैनलों[3] पर प्रदर्शित हो सकते हैं, बशर्ते कि अन्य लागू प्रसारण मानकों का पालन किया जाता है।
- 18 वर्गीकृत सामग्री किसी भी समय अन्य चैनलों पर प्रदर्शित हो सकती है, जब तक कि फ़िल्टरिंग तकनीक निःशुल्क उपलब्ध है और दर्शकों के लिए नियमित रूप से प्रचारित की जाती है, और अन्य लागू प्रसारण मानकों का पालन किया जाता है।
- यदि फ़िल्टरिंग तकनीक उपलब्ध नहीं है, तो 18 वर्गीकृत कार्यक्रम केवल शाम के 8 बजे और सुबह 6 बजे के बीच, या सुबह 9 बजे और दोपहर 3 बजे के बीच दिखाए जा सकते हैं (सप्ताहांत के दिनों, स्कूल की छुट्टियों और सार्वजनिक छुट्टियों के अलावा जब वे केवल शाम के 8.30 बजे और सुबह 5 बजे के बीच दिखाए जा सकते हैं)।
- स्पष्ट वयस्क यौन कार्यक्रम जिन्हें 18 वर्गीकृत किया गया है, वे केवल प्रीमियम चैनलों पर प्रदर्शित हो सकते हैं।

टीका-टिप्पणी

सामान्य

इस मानक का उद्देश्य ऑडियंसों को उन प्रसारणों को देखने या सुनने से बचाना है जो व्यापक रूप से असंगत अपराध या संकट का कारण बनने या व्यापक रूप से साझा किए गए सामुदायिक मानकों को कमजोर करने की संभावना रखते हैं।

दृष्टिकोण व्यापक रूप से भिन्न होते हैं और न्यूज़ीलैंड के विविध समाज में विकसित होते रहते हैं। इसलिए रुचि और शालीनता के मामलों पर विचार करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। विशेष रूप से संवेदनशीलता की भावनाएं यह निर्धारित नहीं कर सकती हैं कि क्या प्रसारित किया जा सकता है। हालांकि, प्रसारण को गंभीर रूप से सामुदायिक मानदंडों का उल्लंघन नहीं करना चाहिए या दर्शकों को असमान रूप से विचलित नहीं करना चाहिए।

संदर्भ महत्वपूर्ण है

संदर्भ चुनौतीपूर्ण सामग्री को शामिल करने को उचित ठहरा सकता है या इसकी हानिकारकता को कम कर सकता है। उदाहरण के लिए, प्रसारण का समय फ्री-टू-एयर टीवी पर प्रासंगिक है, जिसमें टाइमबैंड हैं, लेकिन पे टीवी के लिए नहीं, जिसमें ऐसा नहीं है। पे टीवी कम प्रतिबंधों के वातावरण में काम करता है क्योंकि ग्राहक प्रसारण प्राप्त करने के लिए भुगतान करते हैं। देर रात प्रसारित चुनौतीपूर्ण सामग्री के, एक समाचार कार्यक्रम पर या एक नाटकीय कथा के हिस्से के रूप में, स्वीकार्य होने की अधिक संभावना हो सकती है। ठीक उसी तरह चुनौतीपूर्ण सामग्री जो महत्वपूर्ण मुद्दों की हमारी समझ को आगे बढ़ाती है। हम यह भी

3 *प्रीमियम चैनल* का अर्थ एक पे टेलीविज़न चैनल है, जिसका चुनाव सब्सक्राइबर सदस्यता सेवा के मूल प्रावधान के लिए पहले से भुगतान किए गए प्रवेश स्तर की फीस के अलावा, सदस्यता शुल्क का भुगतान करने का चुनाव करते हैं।

मानते हैं कि टीवी पर स्पष्ट रूप से दिखाए जाने पर हिंसा का अधिक प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक मामला उसके विशेष तथ्यों और संदर्भ पर निर्भर करेगा।

पसंद और नियंत्रण

दर्शकों की यह चुनाव करने की क्षमता कि वे क्या देखते या सुनते हैं और बच्चों तथा युवाओं को अनुचित सामग्री को देखने/सुनने से रोकने के लिए क्या स्वीकार्य है, यह निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण कारक है। हिंसक और अन्य संभावित आपत्तिजनक या परेशान करने वाली सामग्री हमारे समाज में आसानी से उपलब्ध है और यह अनुसरण करती है कि इस प्रकार की कुछ सामग्री प्रसारित की जाएगी। हालांकि, उन लोगों को, जिन्हें इसे नहीं देखना चाहिए या देखना या सुनना नहीं चाहते, उनके संपर्क में आने से रोकने के लिए उपयुक्त सुरक्षा की आवश्यकता है।

मंच के आधार पर, प्रसारक सलाह/चेतावनी, उपयुक्त समय-निर्धारण, समय-सीमा, वर्गीकरण, इलेक्ट्रॉनिक प्रोग्राम गाइड और/या फ़िल्टरिंग तकनीक के माध्यम से माता-पिता और देखभाल करने वालों को कुछ सामग्री को अवरुद्ध करने की अनुमति देकर उचित सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं।

जहाँ प्रसारकों ने फ़िल्टरिंग तकनीक को बढ़ावा दिया है, वहां इस बात का आकलन किया जाएगा कि क्या नुकसान से सुरक्षा प्रदान करने के लिए पर्याप्त सावधानी बरती गई है।

दर्शकों की अपेक्षाएं महत्वपूर्ण हैं। उपरोक्त उपकरणों के माध्यम से स्थापित की जा सकने वाली अपेक्षाओं के अलावा, कुछ कार्यक्रमों या प्रसारकों (जैसे कि रेडियो स्टेशनों) ने लक्षित दर्शकों की स्थापना की है, जिनके लिए वे वैध रूप से सामग्री का चयन और निर्धारण करते हैं। टॉकबैक रेडियो अपनी ठोस और कभी-कभी चुनौतीपूर्ण प्रकृति के कारण एक अलग श्रेणी बन गया है, और इस तरह के कार्यक्रमों पर अलग मानक लागू हो सकते हैं।

कार्यक्रम की जानकारी – प्लेटफार्मों (मंचों) में भिन्नता

इस मानक के कुछ पहलू सभी मंचों में भिन्न हैं। मुख्य रूप से, वर्गीकरण और समय सीमा का अंतर उपयोग में है या नहीं।

फ्री-टू-एयर टीवी संदर्भ में, स्पष्ट रूप से परिभाषित वर्गीकरण और संबंधित समय सीमा (जी, पीजी, एम, 16 और 18) हैं। रेडियो पर कोई समय सीमा नहीं हैं, हालांकि यह माना जाता है कि बच्चों द्वारा दिन के कुछ समय के दौरान इसे सुनने की अधिक संभावना है (उदाहरण के लिए, स्कूल से पहले और बाद में, सप्ताह के दिनों में शाम के 8.30 बजे तक, और सप्ताहांत पर)। पे टीवी फ्री-टू-एयर टीवी के समान वर्गीकरण और ऑडियंस की सलाह का उपयोग करता है लेकिन वह समय सीमा द्वारा प्रतिबंधित नहीं है।

मानक 2 – बाल हित

प्रसारकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों[4] को ऐसी विषय सामग्री से बचाया जा सके जो उन्हें प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकती है।

गाइडलाइन्स (मार्गदर्शिका)

सामान्य

2.1 प्रसारकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को ऐसी सामग्री से बचाया जा सकता है जो बच्चों के सामान्य रूप से स्वीकृत देखने या सुनने के समय के दौरान उन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है – आमतौर पर रात 8.30 बजे तक (विशेषकर स्कूल से पहले और स्कूल के बाद), और सप्ताहांत और सार्वजनिक छुट्टियों पर। स्कूल के समय को बच्चों के देखने या सुनने का समय नहीं माना जाता है।

2.2 इस मानक के तहत विचार की जा सकने वाली विषय सामग्री में शामिल हैं:

- यौन सामग्री या विषय
- हिंसक सामग्री या विषय
- अपमानजनक भाषा
- सामाजिक या घरेलू संघर्ष या मन-मुटाव
- खतरनाक, असामाजिक या अवैध व्यवहार
- ऐसी विषय सामग्री जिसमें बच्चों या जानवरों के साथ अपमानित या बुरी तरह से व्यवहार किया जाता है
- अत्यधिक दर्द या संकट में लोगों का ग्राफिक (सजीव) विवरण,

जो कार्यक्रम के प्रकार या कार्यक्रम वर्गीकरण के लिए दर्शकों की अपेक्षाओं के बाहर (से परे) हैं।

2.3 इस मानक के तहत शिकायतों का आकलन करते समय संदर्भ एक महत्वपूर्ण विचार है, जिसमें, जहाँ प्रासंगिक हो, कार्यक्रम का वर्गीकरण और कोई ऑडियंस सलाह, प्रसारण का समय, लक्षित और संभावित ऑडियंस, दर्शकों की अपेक्षाएं, फ़िल्टरिंग तकनीक की उपलब्धता, और क्या इसे प्रसारक द्वारा प्रचारित किया गया है, प्रसारण में सार्वजनिक हित और कोई भी कारक जो बच्चों को संभावित नुकसान को कम करता है, जैसे कि हास्य या शैक्षणिक लाभ।

फ्री-टू-एयर और पे टीवी

2.4 बच्चों को सुरक्षा प्रणालियों, जैसे कि फ़िल्टरिंग तकनीक के माध्यम से संरक्षित किया जा सकता है। जहाँ ये उपलब्ध हैं, उन्हें ग्राहकों के लिए स्पष्ट रूप से और नियमित रूप से प्रचारित किया जाना चाहिए।

4 एक 'बच्चा' 14 वर्ष से कम आयु का माना जाता है।

2.5 M (एम) या उससे ऊपर वर्गीकृत विषय सामग्री, विशेष रूप से जिसमें यौन या हिंसक विषय सामग्री शामिल है, उसे बच्चों पर लक्षित सामग्री के साथ में नहीं दिखाना चाहिए (उसी चैनल पर)।

2.6 काल्पनिक विषय सामग्री में उन विषयों और दृश्यों को उचित रूप से वर्गीकृत और शेड्यूल (निर्धारित) किया जाना चाहिए जिनके बारे में जानकारी है कि वे बच्चों को परेशान कर सकते हैं जैसे कि घरेलू मन-मुटाव अथवा बच्चों का अपमान या दुर्व्यवहार। पे टीवी के संदर्भ में, यह आम तौर पर बच्चों पर लक्षित चैनलों पर उस प्रकार की विषय सामग्री से बचने के बारे में है।

2.7 बच्चों द्वारा देखी जाने वाली विषय सामग्री में यथार्थवादी हिंसा के किसी भी चित्रण को सावधानी से निर्धारित और वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

2.8 जब बच्चों के सामान्य रूप से स्वीकृत देखने के समय के दौरान फ्री-टू-एयर टीवी पर प्रसारित कार्यक्रम (दिशानिर्देश 2.1 देखें) में ऐसी विषय सामग्री होती है जो दर्शकों की अपेक्षाओं से बाहर होती है और बच्चों को परेशान करने की संभावना होती है, तो एक लिखित या लिखित और मौखिक दर्शकों की सलाह को प्रसारित किया जाना चाहिए। एडवाइजरी (सलाह) प्रकृति में विशेष होनी चाहिए ताकि माता-पिता या अभिभावकों को विषय सामग्री के बारे में अपने बच्चों को दिखाने के बारे में सूचित विकल्प बनाने की अनुमति मिल सके, ताकि उन विवरणों से बचा जा सके जो बच्चों को परेशान या चिंतित कर सकते हैं।

2.9 फ्री-टू-एयर टीवी पर प्रसारित समाचार, वर्तमान मामलों और तथ्यात्मक कार्यक्रमों में, परेशान करने वाली या खतरनाक विषय सामग्री को सार्वजनिक हित में उचित साबित करना जरूरी है। प्रसारकों को समाचार कार्यक्रमों में शामिल करने के लिए ग्राफिक विषय सामग्री की डिग्री (मात्रा) तय करते समय निर्णय और विवेक का उपयोग करना चाहिए और उपयुक्त होने पर दर्शकों के लिए सलाह प्रसारित करनी चाहिए, खासकर जब बच्चों द्वारा इसे देखने की संभावना हो।

पे टीवी

2.10 पे टीवी पर जो विषय सामग्री बच्चों के देखने के लिए अभीष्ट या नियत नहीं है, उसका विशेष रूप से बच्चों के लिए प्रचार नहीं किया जाना चाहिए और मानक 1 के अनुसार प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

2.11 बच्चों पर लक्षित पे टीवी चैनलों में केवल बच्चों के लिए उपयुक्त विषय सामग्री होनी चाहिए।

रेडियो

2.12 यह मानक केवल उस समय रेडियो पर लागू होगा जब बच्चों के सुनने की संभावना हो (आमतौर पर बच्चों के सामान्य रूप से स्वीकृत सुनने के समय के दौरान – दिशानिर्देश 2.1 को देखें)।

टीका-टिप्पणी

इस मानक का उद्देश्य माता-पिता और देखभाल करने वालों को बच्चों को ऐसी विषय सामग्री से बचाने में सक्षम बनाना है जो उन्हें असंगत रूप से परेशान करती है, हानिकारक है, या इससे उनके शारीरिक, मानसिक या सामाजिक विकास को बाधित करने की संभावना है।

इसमें प्रसारण को देखने या सुनने वाले बच्चे शामिल हैं। अगर कोई शिकायत किसी प्रसारण में दिखाए गए या संदर्भित बच्चे के बारे में निष्पक्षता या गोपनीयता की चिंता पैदा करती है, तो उस पर उन मानकों के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए।

मंच के आधार पर, बच्चों के हितों की देखभाल कई तरीकों से की जा सकती है जिनमें सलाह/चेतावनी, उपयुक्त कार्यक्रम-निर्धारण, समय सीमा, वर्गीकरण और/या फ़िल्टरिंग तकनीक के माध्यम से माता-पिता और देखभाल करने वालों को कुछ विषय सामग्री को अवरुद्ध करने की अनुमति देने समेत कई तरीके शामिल हैं।

प्रसारकों के लिए सभी संभावित अनुपयुक्त विषय सामग्री से बच्चों को बचाना संभव या व्यावहारिक नहीं है। इसका उद्देश्य है उन्हें व्यापक ऑडियंस तक प्रसारित करने – या पे टीवी के संदर्भ में, विशेष चैनलों की सदस्यता लेने वाले विशिष्ट दर्शकों को विषय सामग्री की एक श्रृंखला की पेशकश करने की अनुमति देना – दर्शकों और श्रोताओं को सूचना और फ़िल्टरिंग तकनीक प्रदान करके बच्चों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाते हुए। माता-पिता / देखभाल करने वाले बच्चों की रक्षा के लिए जिम्मेदारी साझा करते हैं और इस उद्देश्य के लिए उन्हें उपलब्ध जानकारी और उपकरणों का उपयोग करना चाहिए। हम सभी प्रसारकों से अपेक्षा करते हैं जो फ़िल्टरिंग तकनीक या प्रसारण विषय सामग्री तक पहुंच को नियंत्रित करने के अन्य साधनों का उपयोग करते हैं, वे दर्शकों को सूचित करते हैं कि यह उपलब्ध है और इसका उपयोग कैसे करना है।

बच्चों के हितों का मानक आक्रामक और परेशान करने वाले विषय सामग्री मानक से संबंधित है जो समान प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखता है। हालांकि, फोकस में अंतर हैं। इस मानक का ध्यान उन नुकसानों पर है जो बच्चों के लिए अद्वितीय हो सकते हैं; ऐसी विषय सामग्री जिसे बच्चों के लिए हानिकारक माना जा सकता है, सामान्य रूप से दर्शकों पर विचार करते समय हानिकारक या अप्रत्याशित नहीं हो सकता है।

मानक 3 – अवैध या असामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देना

प्रसारण विषय सामग्री से संदर्भ और दर्शकों की पसंद और नियंत्रण का उपयोग करने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए अवैध या गंभीर असामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देने की संभावना नहीं होनी चाहिए।

गाइडलाइन्स (मार्गदर्शिका)

3.1 कार्यक्रम के संभावित व्यावहारिक प्रभाव का आकलन करने में संदर्भ महत्वपूर्ण है। इसमें यह विचार करना शामिल हो सकता है कि क्या प्रासंगिक सामग्री:

- संदर्भ द्वारा उचित है (दिशानिर्देश 1.1 देखें)
- सार्वजनिक हित में, समाचार, वर्तमान मामलों और तथ्यात्मक विषय सामग्री में उचित है, और इसमें ग्राफिक विवरण की अनुचित या अनावश्यक मात्रा शामिल नहीं है, खासकर जब बच्चों के देखने या सुनने की संभावना होती है
- जहाँ उपयुक्त हो वहां एक श्रोता सलाह या सलाह का प्रतीक चिन्ह होता है, जिसमें हैल्पलाइन की जानकारी शामिल हो सकती है (दिशानिर्देश 1.7-1.9 देखें)
- टेलीविजन प्रोग्रामिंग के मामले में सावधानीपूर्वक वर्गीकृत किया गया है (दिशानिर्देश 1.4 देखें)
- जिम्मेदारी से निर्धारित किया गया है (दिशानिर्देश 1.13-1.17 देखें)
- तथ्यात्मक या एक काल्पनिक/नाटकीय काम है (काल्पनिक/नाटकीय कार्य, रचनात्मक अभिव्यक्ति के एक हिस्से के रूप में, मानक का उल्लंघन करने की संभावना नहीं है)।

3.2 कार्यक्रम विषय सामग्री पर प्रसारक के संपादकीय नियंत्रण का स्तर इस मानक के तहत शिकायतों का आकलन करते समय एक महत्वपूर्ण विचार होगा। उदाहरण के लिए, प्रसारक विदेशी पास-थ्रू (निकासी) चैनलों पर प्रदर्शित विषय सामग्री पर बिल्कुल भी नहीं या फिर बहुत ही सीमित संपादकीय नियंत्रण रखते हैं।

शराब का प्रचार

3.3 अल्कोहल के प्रचार से संबंधित कानूनों या विनियमों (प्रासंगिक विज्ञापन मानक प्राधिकरण कोड सहित) के अनुपालन के अलावा, प्रसारकों को प्रसारण की जा रही कार्यक्रम शैली के लिए उपयुक्त अल्कोहल के प्रचार पर प्रतिबंधों का पालन करना चाहिए।

3.4 शराब का प्रचार निम्नलिखित में से एक या अधिक रूपों में हो सकता है:

- अल्कोहल उत्पाद, ब्रांड या आउटलेट का प्रचार ('प्रचार')
- किसी कार्यक्रम का अल्कोहल प्रायोजन ('प्रायोजन')
- शराब के सेवन की वकालत ('वकालत')।

3.5 किसी प्रसारण में शराब का प्रचार सामाजिक रूप से जिम्मेदार होना चाहिए जिसमें शामिल है:

- शराब खरीदने के लिए कानूनी उम्र से कम उम्र के लोगों द्वारा इसके सेवन को प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए
- विशेष रूप से बच्चों पर निर्देशित कार्यक्रमों में नहीं होना चाहिए
- प्रसारण पर हावी नहीं होना चाहिए
- अत्यधिक शराब के सेवन की वकालत और इसे सकारात्मक या वांछनीय के रूप में चित्रित करने से बचना चाहिए
- प्रायोजन के मामले में, इसे ब्रांड, नाम या प्रतीक चिन्ह तक ही सीमित होना चाहिए, और बिक्री संदेशों को बाहर रखना चाहिए
- शराब-प्रायोजित कार्यक्रमों के मामले में, मुख्य रूप से कार्यक्रम को बढ़ावा, प्रायोजन आश्रित के साथ देना चाहिए
- किसी घटना या स्थिति के प्रसारण से बाहर रखे जाने की आवश्यकता नहीं है, जहाँ इस तरह का प्रचार उस घटना या स्थिति की एक सामान्य विशेषता है – जब तक कि उपरोक्त मार्गदर्शन पर पर्याप्त रूप से विचार किया जाता है।

टीका-टिप्पणी

सामान्य

इस मानक का उद्देश्य उन प्रसारणों को रोकना है जो दर्शकों को कानून तोड़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, या अन्यथा आपराधिक अथवा गंभीर असामाजिक गतिविधि को बढ़ावा देने की संभावना रखते हैं।

अवैध गतिविधि

यह मानक प्रसारकों को आपराधिक व्यवहार या अन्य कानून तोड़ने पर चर्चा करने या इसे चित्रित करने से नहीं रोकता है, भले ही वे स्पष्ट रूप से इसकी निंदा न करें। यह अदालतों या पुलिस द्वारा कानूनों या उनके प्रवर्तन (लागू करने) की वास्तविक आलोचना को भी नहीं रोकता है। मानक उन प्रसारणों से संबंधित है जो सक्रिय रूप से कानून या कानूनी प्रक्रियाओं की अवज्ञा करते हैं, या उनकी अवज्ञा को बढ़ावा देते हैं।

कानून तोड़ने के लिए सीधे तौर पर उकसाने से इस मानक के उल्लंघन की संभावना है, अगर इस बात की वास्तविक संभावना है कि ऑडियंस इस पर कार्रवाई करेगी। ऐसे प्रसारण जो आपराधिक गतिविधि को अनदेखा करते हैं या इसे सकारात्मक या विनोदी रूप में प्रस्तुत करने से, उनका यह प्रभाव हो सकता है। अपराध करने के तरीके के बारे में स्पष्ट निर्देश भी कानून और व्यवस्था को कमजोर कर सकते हैं।

असामाजिक गतिविधि

गंभीर असामाजिक गतिविधि समाज के कानूनों या रीति-रिवाजों के इस हद तक विपरीत है कि बड़ी संख्या में लोग इसे अस्वीकार्य पाएंगे (जैसे कि यौन हिंसा, आत्महत्या, मादक द्रव्यों का सेवन)। इसमें ऐसे कार्य शामिल हैं जिनका वास्तविक दुनिया में लोगों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है। यह अवैध गतिविधि से अधिक व्यापक है और इसमें अन्य असामाजिक व्यवहार (जैसे कि प्रसारण में असली लोगों को धमकाना) शामिल हो सकते हैं।

मानक 4 – पक्षपात और अपमान (भेदभाव और बदनामी)

प्रसारण सामग्री द्वारा लिंग, सैक्सुअल ओरियन्टेशन (यौन अनुकूलन), जाति, आयु, विकलांगता, व्यावसायिक स्थिति या धर्म, संस्कृति अथवा राजनीतिक विश्वास की वैध अभिव्यक्ति के परिणामस्वरूप समुदाय के किसी भी वर्ग के खिलाफ भेदभाव या बदनामी को प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए।

गाइडलाइन्स (मार्गदर्शिका)

4.1 'भेदभाव' को समुदाय के एक विशेष वर्ग के सदस्यों के उनके अहित के लिए अलग-अलग व्यवहार को प्रोत्साहित करने के रूप में परिभाषित किया गया है। 'बदनामी' को समुदाय के एक विशेष वर्ग की प्रतिष्ठा के अवमूल्यन के रूप में परिभाषित किया गया है।

4.2 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व का अर्थ है:

- उच्च स्तरीय निंदा, अक्सर द्वेष या कुटिलता के तत्व के साथ, आमतौर पर मानक के उल्लंघन में एक प्रसारण द्वारा प्रोत्साहित भेदभाव या बदनामी को खोजने के लिए आवश्यक होगा। नकारात्मक रूढ़ियों को मजबूत करने या एम्बेड (निहित) करने का प्रभाव डालने वाली प्रसारण सामग्री पर भी विचार किया जा सकता है।
- यह मानक उस विषय सामग्री के प्रसारण को रोकने के लिए अभिप्रेत नहीं है जो:
  - वास्तविक या तथ्यों पर आधारित है
  - गंभीर टिप्पणी, विश्लेषण या राय की वास्तविक अभिव्यक्ति है
  - वैध हास्य, नाटक या व्यंग्य है।

4.3 संदर्भ यह आकलन करने में एक महत्वपूर्ण विचार है कि क्या कोई प्रसारण बहुत दूर चला गया है। (संदर्भ की परिभाषा के लिए दिशानिर्देश 1.1 देखें)। निम्नलिखित कारकों पर भी विचार किया जा सकता है:

- प्रयोग की गई भाषा
- टिप्पणी करने वाले व्यक्ति का लहजा
- वह फोरम (गोष्ठी) जिसमें टिप्पणियां की गई थीं; उदाहरण के लिए, एक गंभीर राजनीतिक चर्चा या एक व्यंग्यात्मक अंश
- क्या टिप्पणियों को दोहराया गया था या उन्हें जारी रखा गया था, या सही किया गया था या उनका खंडन किया गया था
- क्या टिप्पणियों ने व्यापक बहस में वैध योगदान दिया था या सार्वजनिक हित को आगे बढ़ाया था।

टीका-टिप्पणी

इस मानक का उद्देश्य समुदाय के वर्गों को मौखिक और अन्य हमलों से बचाना और समानता के प्रति समुदाय की प्रतिबद्धता को बढ़ावा देना है।

मानक उन व्यक्तियों या संगठनों पर लागू नहीं होता है, जिन्हें निष्पक्षता मानक के तहत निपटाया जाता है।

टिप्पणियाँ मानक का उल्लंघन नहीं करेंगी केवल इसलिए क्योंकि वे किसी विशेष समूह की आलोचना करती हैं, क्योंकि वे लोगों को ठेस पहुँचाती हैं या क्योंकि वे असभ्य हैं। स्वतंत्र और स्पष्ट अभिव्यक्ति विचारों की एक विस्तृत श्रृंखला की अनुमति देना लोकतंत्र में रहने का एक आवश्यक हिस्सा है।

गंभीर टिप्पणी, तथ्यात्मक कार्यक्रम, और वैध नाटक, हास्य एवं व्यंग्य, भाषण के मूल्यवान रूप हैं और जब तक उनमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने का औचित्य साबित करने वाले स्तर पर नुकसान पहुंचाने की क्षमता न हो, तब तक मानक के उल्लंघन की संभावना नहीं है।

भेदभाव और अपमान के मानक की व्याख्या विकासशील सामुदायिक मानकों और न्यूज़ीलैंड बिल ऑफ़ राइट्स एक्ट 1990 की धारा 6 के संदर्भ में की जाएगी (बिल ऑफ़ राइट्स में निहित अधिकारों और स्वतंत्रता के अनुरूप व्याख्या को प्राथमिकता दी जाती है)।

भाग 2

समाचार, वर्तमान मामलों और तथ्यात्मक विषय सामग्री में संतुलित एवं सटीक रिपोर्टिंग

मानक 5 – संतुलन

जब सार्वजनिक महत्व के विवादास्पद मुद्दों पर समाचार, समसामयिक मामलों या तथ्यात्मक कार्यक्रमों में चर्चा की जाती है, तो प्रसारकों को, या तो एक ही प्रसारण में या अन्य प्रसारण में वर्तमान रुचि की अवधि के भीतर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए उचित प्रयास करना चाहिए, या उचित अवसर देना चाहिए, जब तक दर्शकों से अन्य मीडिया कवरेज के महत्वपूर्ण दृष्टिकोणों के बारे में उचित रूप से जागरूक होने की उम्मीद नहीं की जा सकती।

गाइडलाइन्स (मार्गदर्शिका)

5.1 मानक के तहत शिकायत के निर्धारण में दो चरण शामिल हैं:

- पहला कदम यह विचार करना है कि क्या मानक लागू होता है। यह केवल वहां लागू होगा जहाँ विषय-वस्तु:
  - 'सार्वजनिक महत्व का' एक मुद्दा है (ऐसा कुछ जो न्यूज़ीलैंड के लोगों पर महत्वपूर्ण संभावित प्रभाव डालेगा, या चिंता का विषय होगा)
  - 'विवादास्पद' है (सामयिक प्रचलन का कोई मुद्दा; जिसने परस्पर विरोधी राय उत्पन्न की है या होने की संभावना है; या जिसके बारे में सार्वजनिक बहस चल रही है – जैसे कि न्यूज़ीलैंड की राजनीतिक नीति, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा, सार्वजनिक व्यय से संबंधित मुद्दे)
  - एक समाचार, समसामयिक मामलों या तथ्यात्मक कार्यक्रम में 'चर्चा' की गई हो (जैसे कि तहकीकात संबंधी या गहराई से किया गया काम – संक्षिप्त समाचार रिपोर्ट, स्पष्ट रूप से एक विशेष परिप्रेक्ष्य पर केंद्रित कार्यक्रम, या व्यक्तिगत अथवा मानवीय रुचि की कहानियां, आदि चर्चा के विषय नहीं हो सकते)।
- दूसरे चरण का काम यह आकलन करना है कि क्या प्रसारक ने परिस्थितियों में पर्याप्त रूप से महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं।

5.2 मानक वर्तमान रुचि की अवधि के भीतर समय के साथ संतुलन हासिल करने की अनुमति देता है। सार्वजनिक महत्व के एक विशेष विवादास्पद मुद्दे पर चर्चा करने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में प्रत्येक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।

5.3 सार्वजनिक महत्व के विवादास्पद मुद्दों पर प्रत्येक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण के लिए मानक को समान समय देने की आवश्यकता नहीं है। प्रसारकों को मुद्दे की प्रकृति और उस मुद्दे के कवरेज को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक महत्वपूर्ण दृष्टिकोणों को एक निष्पक्ष आवाज देनी चाहिए।

5.4 महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करने की आवश्यकता कम होने की संभावना है, या कुछ मामलों में अस्वीकार किया जा सकता है, जहाँ:

- कार्यक्रम के परिचय और कार्यक्रम को प्रस्तुत करने के तरीके से यह स्पष्ट है कि:
  - कार्यक्रम किसी मुद्दे की संतुलित परीक्षा होने का दावा या इरादा नहीं कर रहा है
  - कार्यक्रम को एक विशेष परिप्रेक्ष्य से इस मुद्दे पर पहुंचने के रूप में संकेत दिया जाता है
  - कार्यक्रम संकीर्ण रूप से केवल एक बड़ी, जटिल बहस के एक पहलू पर केंद्रित है।
- यह मुद्दा केवल एक संक्षिप्त, विनोदी या गौण तरीके से उठाया जाता है। इसमें सीधे समाचार आइटम जैसे कार्यक्रम शामिल हैं, जो किसी संबंधित मुद्दे पर चर्चा करने के बजाय केवल घटनाओं या प्रगति पर रिपोर्ट करते हैं। इसके विपरीत, जहाँ कोई मुद्दा गंभीर, खोजी या गहन रिपोर्ट का केंद्र है वहां महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करने की आवश्यकता में वृद्धि होने की संभावना है।
- दर्शकों से अन्य प्रसारकों या मीडिया आउटलेट्स द्वारा कवरेज सहित अन्य कवरेज में व्यक्त किए गए विचारों के बारे में पता होने की उम्मीद की जा सकती है।
- इस संदर्भ में, दर्शकों ने वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने की अपेक्षा नहीं की होगी।
- प्रसारक ने कार्यक्रम सामग्री (जैसे कि समाचार, समसामयिक मामले और विदेशी पास-थ्रू पे टीवी चैनलों पर प्रसारित तथ्यात्मक कार्यक्रम) पर कोई संपादकीय नियंत्रण नहीं रखा या बहुत सीमित संपादकीय नियंत्रण रखा।

5.5 विदेशी पास-थ्रू पे टीवी चैनलों पर प्रसारित कार्यक्रम, जिन पर प्रसारक बिल्कुल भी नहीं या बहुत सीमित संपादकीय नियंत्रण रखता है, आमतौर पर शेष मानक के अधीन नहीं होते हैं। यह व्यापक दृष्टिकोणों और विचारों तक पहुंच प्रदान करने के मूल्य को पहचानता है, और पे टीवी ग्राहकों द्वारा कुछ प्रसारण प्राप्त करने के लिए भुगतान करने के चुनाव को पहचानता है। हालांकि, मानक को वहां लागू किया जा सकता है जहाँ प्रसारण सामग्री नुकसान का एक गंभीर खतरा पेश करती है।

टीका-टिप्पणी

इस मानक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण उपलब्ध हैं, ताकि दर्शकों को एक सूचित और तर्कसंगत राय पर पहुंचने में सक्षम बनाया जा सके।

एक व्यावहारिक ज्ञान दृष्टिकोण लिया जाना चाहिए – व्यावहारिक वास्तविकता यह है कि कार्यक्रम पूरी तरह से संतुलित नहीं हो सकते हैं, और न ही इसकी आवश्यकता है।

मानक और दिशानिर्देश न्यूज़ीलैंड में वर्तमान प्रसारण वातावरण, और स्रोतों से उपलब्ध जानकारी के बढ़ते प्रवाह तथा सभी प्रकार के विषयों पर उपलब्ध जानकारी को दर्शाते हैं। आज के दर्शकों के लिए उपलब्ध सूचना के प्रसार को देखते हुए, इस मानक के तहत शिकायतों को शायद

ही कभी बरकरार रखा जाएगा। हालांकि, यह उन मामलों में सुरक्षा प्रदान करता है जहाँ विवादास्पद मुद्दों पर संतुलित दृष्टिकोण समय-समय पर, विभिन्न कार्यक्रमों या विभिन्न मीडिया में उपलब्ध नहीं होता है।

मानक के प्रयोजनों के लिए कोई मुद्दा 'विवादास्पद' सिर्फ इसलिए नहीं होगा क्योंकि कुछ इसके बारे में वैकल्पिक विचार रखते हैं (जैसे कि जलवायु परिवर्तन, टीका सुरक्षा)।

मानक की आवश्यकता नहीं है कि समाचार, समसामयिक घटनाओं और तथ्यात्मक प्रोग्रामिंग को निष्पक्ष या बिना पक्षपात के प्रस्तुत किया जाए। इस मानक द्वारा स्थापित सीमाओं के भीतर, प्रसारक विशेष विचारों, तत्वज्ञान या लोगों (जैसे कि राजनेता) को बढ़ावा देने या चुनौती देने के लिए स्वतंत्र हैं।

एक महत्वपूर्ण विचार यह है कि ऑडियंस एक कार्यक्रम से क्या उम्मीद करती है और क्या उन्हें एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य की अनुपस्थिति या व्यवहार द्वारा गलत सूचना दिए जाने की संभावना थी (उदाहरण के लिए जहाँ एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य सीमित कवरेज के साथ प्रस्तुत किया जाता है या इस तरह से जो इसकी वैधता को कम करता है)।

मानक 6 – सटीकता

प्रसारकों को यह सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रयास करना चाहिए कि समाचार, करंट अफेयर्स और तथ्यात्मक सामग्री:

- तथ्य के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं के संबंध में सटीक हों
- दर्शकों को महत्वपूर्ण रूप से गुमराह नहीं करते (तथ्यों के बारे में गलत विचार या धारणा देते हैं)।

तथ्य की किसी महत्वपूर्ण त्रुटि होने की स्थिति में, प्रसारकों को नोटिस दिए जाने के बाद उचित अवधि के भीतर इसे ठीक करना चाहिए।

गाइडलाइन्स (मार्गदर्शिका)

6.1 तथ्यात्मक सटीकता की आवश्यकता उन बयानों पर लागू नहीं होती है जो तथ्य के बयानों के बजाय विश्लेषण, टिप्पणी या राय के रूप में स्पष्ट रूप से अलग हैं। हालांकि, प्रसारकों को तो भी यह सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रयास करने चाहिए कि विश्लेषण, टिप्पणी या राय महत्वपूर्ण रूप से भ्रामक न हो किसी भी तथ्य के संबंध में:

- संदर्भित; या
- जिस पर विश्लेषण, टिप्पणी या राय आधारित है।

6.2 मानक तकनीकी या अन्य बिंदुओं से संबंधित नहीं है, जो समग्र रूप से सामग्री के बारे में दर्शकों की समझ को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने की संभावना नहीं है।

6.3 इस बात का आकलन कि प्रसारक ने सटीकता सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रयास किए हैं या नहीं, इसमें जहाँ प्रासंगिक हो, निम्नलिखित पर विचार शामिल है:

- सामग्री प्रसारण का स्रोत (उदाहरण के लिए एक सम्मानित संगठन या एक आधिकारिक विशेषज्ञ; या सोशल मीडिया या एक गैर-प्रतिष्ठित या गैर-आधिकारिक संगठन या व्यक्ति से तीसरे पक्ष की सामग्री जिसके लिए प्रसारक द्वारा अतिरिक्त देखभाल या उठाए जाने वाले कदमों की आवश्यकता हो सकती है)
- प्रसारण लाइव था या पहले से रिकॉर्ड किया गया था
- क्या प्रसारित होने से पहले कार्यक्रम सामग्री की सटीकता पर सवाल उठाने का कोई स्पष्ट कारण था
- क्या प्रसारक ने किसी भी प्रासंगिक व्यक्ति या संगठन से टिप्पणी, स्पष्टीकरण या इनपुट (सहयोग) मांगी और/या प्रस्तुत की
- जिस सीमा तक सटीकता का मुद्दा प्रसारक द्वारा निर्धारित करने में यथोचित रूप से सक्षम था
- किसी भी बाद के या फोलो-अप (अनुवर्ती) कवरेज का प्रभाव (उदाहरण के लिए जहाँ जानकारी को एक विकासशील कहानी के हिस्से के रूप में अपडेट या सही किया गया है; या प्रसारण के समय और जब सामग्री तक पहुंच करने के समय, के बीच विलंब होता है)
- विषय सामग्री पर प्रसारक के संपादकीय नियंत्रण का स्तर।

6.4 टॉकबैक प्रोग्राम आमतौर पर सटीकता मानक के अधीन नहीं होंगे। हालांकि, सटीकता मानक लागू हो सकता है, जहाँ, उदाहरण के लिए:

- होस्ट (मेजबान) तथ्य का एक अयोग्य बयान देता है
- मेजबान द्वारा प्रस्तुत विश्लेषण, टिप्पणी या राय दिशानिर्देश 6.1 में वर्णित तरीके अनुसार असल में भ्रामक है।

6.5 विदेशी पास-थ्रू पे टीवी चैनलों पर प्रसारित कार्यक्रम, जिन पर प्रसारक बिल्कुल भी नहीं या बहुत सीमित संपादकीय नियंत्रण रखता है, आमतौर पर सटीकता मानक के अधीन नहीं होते हैं। यह व्यापक दृष्टिकोणों और विचारों तक पहुंच प्रदान करने के मूल्य को पहचानता है, और पे टीवी ग्राहकों द्वारा कुछ प्रसारण प्राप्त करने के लिए भुगतान करने के चुनाव को पहचानता है। हालांकि, मानक को वहां लागू किया जा सकता है जहाँ प्रसारण सामग्री नुकसान का एक गंभीर खतरा पेश करती है।

6.6 जहाँ तथ्य की एक महत्वपूर्ण त्रुटि को ठीक करने का दायित्व पैदा होता है, प्रसारक इसे उस तरह से ठीक कर सकता है जो उचित हो (उदाहरण के लिए प्रसारण या इसकी वेबसाइट के माध्यम से) ध्यान में रखते हुए:

- त्रुटि की प्रकृति और प्रभाव
- क्या प्रासंगिक विषय चल रहे अपडेट और विकास का विषय है जिसमें सुधार दिखाई दे सकता है

- दर्शकों के गुमराह होने की संभावना पर किसी अन्य मीडिया कवरेज का प्रभाव
- जब त्रुटि की पहचान की जाती है (और समय बीतने का कोई प्रभाव इसकी समाचार योग्यता पर पड़ता है)।

एक कार्यक्रम गलत या भ्रामक हो सकता है, लेकिन फिर भी संभव है उसने मानक का उल्लंघन न किया हो, अगर प्रसारक ने उचित कदम उठाए हों, उदाहरण के लिए, एक प्रतिष्ठित स्रोत (दिशानिर्देश 6.3) पर भरोसा करके।

टीका-टिप्पणी

इस मानक का उद्देश्य जनता को महत्वपूर्ण रूप से गलत सूचना से बचाना है। मानक न्यूज़ीलैंडवासियों को गलत सूचना और दुष्प्रचार से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रसारकों की पहचान करता है। कार्यक्रमों, राय और साक्षात्कार करने वालों का चयन संपादकीय पसंद का मामला है। हालांकि, तथ्य के मामलों के संबंध में जनता को गुमराह करने से बचाव के लिए हमेशा उचित प्रयास किए जाने चाहिए। यह लागू होता है चाहे तथ्यों को सीधे कहा गया हो या किसी राय का आधार बनाया गया हो।

यह मानक केवल समाचारों, करंट अफेयर्स अथवा तथ्यात्मक प्रोग्रामिंग पर लागू होता है।

- समाचार और समसामयिक मामलों को आमतौर पर इस तरह से आसानी से पहचाना जा सकता है, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि किस विषय पर चर्चा की जा रही है, और दर्शकों को समाचार और करंट अफेयर्स से क्या उम्मीद होगी। समाचार और समसामयिक मामलों के कार्यक्रमों में अभी भी शामिल हो सकते हैं – और इसमें उचित रूप से शामिल होने की उम्मीद की जा सकती है – राय और विश्लेषण (उदाहरण के लिए राजनीतिक संपादकों और अन्य विशेषज्ञों से)।
- तथ्यात्मक कार्यक्रम नॉन-फिक्शन (गैर काल्पनिक) कार्यक्रम होते हैं जिनमें ऐसी जानकारी होती है जिससे दर्शकों को आधिकारिक या सत्य होने की उम्मीद हो सकती है, जैसे कि वृत्तचित्र जो भरोसेमंद होने के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

यह आकलन करने में कि क्या कोई बयान, तथ्य का बयान था या विश्लेषण, टिप्पणी या राय थी (दिशानिर्देश 6.1), निम्नलिखित कारक प्रासंगिक हो सकते हैं:

- प्रयोग की गई भाषा
- कार्यक्रम का प्रकार (उदाहरण के लिए टॉकबैक में तथ्यात्मक मामलों की चर्चा शामिल हो सकती है लेकिन आम तौर पर इसे विचारों के आदान-प्रदान पर केंद्रित एक मजबूत वातावरण के रूप में पहचाना जाता है)
- बोलने वाले व्यक्ति की भूमिका या प्रतिष्ठा
- विषय सामग्री
- क्या किसी को बयान के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है
- प्रमाण या सबूत दिया गया है या नहीं।

भाग 3

गोपनीयता और निष्पक्ष व्यवहार के अधिकार

मानक 7 – गोपनीयता

प्रसारकों को व्यक्ति की गोपनीयता के अनुरूप मानकों को कायम रखना चाहिए।

गाइडलाइन्स (मार्गदर्शिका)

पहचान

7.1 गोपनीयता मानक केवल पहचान योग्य जीवित व्यक्तियों पर लागू होता है।

7.2 यह आकलन करने में कि क्या कोई व्यक्ति पहचान योग्य है, निम्नलिखित विचार लागू होते हैं:

- व्यक्तियों को परिवार और करीबी दोस्तों से परे पहचाना जाना चाहिए, जिनसे प्रसारण में निपटाए गए मामले के बारे में जानने की उम्मीद की जा सकती है।
- प्रसारण तथा अन्य आसानी से और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सामग्री में जानकारी का एक संयोजन इस मानक ('जिगसॉ या पहेली जैसी पहचान') के उद्देश्यों के लिए पहचान को सक्षम कर सकता है।
- एक व्यक्ति की पहचान की जा सकती है, भले ही उन्हें नामित या दिखाया न गया हो या उनकी पहचान आंशिक रूप से छुपी हुई हो।

निजी जानकारी या विषय सामग्री का डिस्क्लोज़र (प्रकटीकरण)

7.3 प्रसारकों को किसी व्यक्ति के बारे में निजी जानकारी या सामग्री का इस तरह से खुलासा नहीं करना चाहिए जो प्रभावित व्यक्ति की स्थिति में एक निष्पक्ष उचित व्यक्ति के लिए अत्यधिक आक्रामक हो।

गोपनीयता की उचित अपेक्षा

7.4 प्रकट की गई सामग्री के संबंध में गोपनीयता की उचित अपेक्षा होनी चाहिए। इसके लिए प्रासंगिक कारकों में शामिल हैं, लेकिन इन तक सीमित नहीं हैं:

- क्या सामग्री सार्वजनिक डोमेन (क्षेत्र) में है
- क्या सामग्री अंतरंग, संवेदनशील या प्रकृति में दर्दनाक है
- क्या व्यक्ति यथोचित रूप से उम्मीद कर सकता है कि सामग्री का खुलासा नहीं किया जाएगा
- व्यक्ति की प्रकृति, अर्थात्:
  - सार्वजनिक आंकड़े, विशेष रूप से सार्वजनिक शक्ति का उपयोग करने वाले, और अन्य जो प्रचार की तलाश करते हैं, आम तौर पर उनकी सार्वजनिक भूमिकाओं से संबंधित मामलों के संबंध में उचित गोपनीयता की अपेक्षाएं कम होती हैं।
  - 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे उच्च स्तर की गोपनीयता की अपेक्षा कर सकते हैं।

7.5 सार्वजनिक डोमेन में मामलों के संबंध में एक व्यक्ति को आमतौर पर गोपनीयता की उचित अपेक्षा नहीं होगी लेकिन ऐसे मामलों का सार्वजनिक प्रकार निश्चित नहीं है।

7.6 जबकि किसी व्यक्ति को सार्वजनिक स्थान पर उचित गोपनीयता की अपेक्षा नहीं होगी (अर्थात वह जो आम तौर पर सुलभ हो, और/या जनता को ध्यान में रखते हुए) पर ऐसी अपेक्षा मौजूद हो सकती है जहाँ परिस्थितियों से यह स्पष्ट है कि व्यक्ति विशेष रूप से कमजोर है। उदाहरण के लिए, अतिसंवेदनशीलता निम्न के लिए अधिक हो सकती है:

- आपात स्थिति में फंसे लोग
- दुर्घटना के शिकार
- जो एक व्यक्तिगत त्रासदी या शोक का सामना कर रहे हैं।

7.7 प्रसारकों को किसी व्यक्ति के एकांत या एकांत में जानबूझकर घुसपैठ के माध्यम से प्राप्त सामग्री को इस तरह से प्रसारित नहीं करना चाहिए जो उचित गोपनीयता की अपेक्षा के साथ असंगत हो।

अत्यधिक आपत्तिजनक प्रकटीकरण (खुलासा)

7.8 निजी जानकारी का प्रकटीकरण अत्यधिक आक्रामक है या नहीं यह निर्धारित करने के लिए प्रासंगिक कारक शामिल हैं, लेकिन इन तक सीमित नहीं हैं:

- चाहे सामग्री विशेष रूप से शर्मनाक हो या प्रतिष्ठा पर नकारात्मक प्रभाव डालने की क्षमता रखती हो
- क्या व्यक्ति विशेष रूप से कमजोर या असुरक्षित है
- परिस्थितियों की गंभीरता (उदाहरण के लिए जिस माध्यम से जानकारी एकत्र की गई थी, चाहे प्रसारण शोषक था या अनावश्यक)
- क्या व्यक्ति ने अपनी गोपनीयता की रक्षा के लिए प्रयास किए हैं या प्रसारण के लिए सहमति नहीं दी है
- क्या प्रकटीकरण उत्पीड़न को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया था।

सुरक्षा

7.9 यह वैध सार्वजनिक हित के मामलों को सार्वजनिक रूप से प्रकट करने के लिए एक गोपनीयता शिकायत के लिए बचाव है। वैध सार्वजनिक हित का मामला न्यूज़ीलैंड की आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए चिंता का विषय है, या प्रभावित करने की क्षमता है (अर्थात यह किसी ऐसी चीज से अधिक है जो केवल जनता के हित में है)। बचाव को लागू करने के लिए:

- सार्वजनिक हित का स्तर गोपनीयता के उल्लंघन की गंभीरता के अनुपात में होना चाहिए।

- जनहित को उस विशेष जानकारी या रिकॉर्डिंग के प्रकटीकरण से संबंधित होना चाहिए, जिस पर गोपनीयता भंग करने का आरोप लगाया गया हो।

7.10 यह गोपनीयता का उल्लंघन नहीं है जहाँ संबंधित व्यक्ति ने प्रकटीकरण या अनुचित हस्तक्षेप के लिए सूचित सहमति दी है। सूचित सहमति प्रदान की जाती है जहाँ व्यक्ति:

- जानते हैं कि वे प्रसारण में योगदान दे रहे हैं
- योगदान के सही संदर्भ और उद्देश्य को समझते हैं
- सहमति की प्रकृति और इसकी अवधि को समझते हैं
- स्वतंत्र रूप से योगदान करने के लिए सहमत हैं।

7.11 एक माता-पिता या अभिभावक, या लोको पेरेंटिस (माता-पिता या अभिभावक के स्थान पर उनकी जगह लेने वाले) के रूप में 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के अन्य व्यक्ति, 16 वर्ष से कम आयु के बच्चे की ओर से सहमति दे सकते हैं, लेकिन प्रसारक को संतुष्ट होना चाहिए कि प्रसारण बच्चे के सर्वोत्तम हितों के विपरीत नहीं है।

टीका-टिप्पणी

गोपनीयता मानक का उद्देश्य, जहाँ उचित हो, लोगों की स्वयं या उनके मामलों को जनता के लिए प्रसारित न करने की इच्छा का सम्मान करना है। यह उनकी गरिमा, स्वायत्तता, मानसिक भलाई और प्रतिष्ठा की रक्षा करना चाहता है, और प्रचार की चमक से दूर संबंधों, विचारों और रचनात्मकता को विकसित करने की उनकी क्षमता की रक्षा करना चाहता है। लेकिन, यह प्रसारकों को सामग्री एकत्र करने, रिकॉर्ड करने और प्रसारित करने की भी अनुमति देता है जहाँ यह सार्वजनिक हित में है।

गोपनीयता की हमारी अपेक्षाएं समय, संस्कृति और टैक्नालॉजी (प्रौद्योगिकी) के साथ बदलती रहती हैं, जिससे कुछ कठिन सीमाएं पैदा होती हैं। इसी कारण से, यह मार्गदर्शन संपूर्ण नहीं है और शिकायत पर लागू होने पर इसमें विस्तार या संशोधन की आवश्यकता हो सकती है। अथॉरिटी (प्राधिकरण) इस मानक को लागू करने में न्यूज़ीलैंड और विदेशों में गोपनीयता कानून के विकास पर भी विचार कर सकता है।

मानक 8 – निष्पक्षता

प्रसारकों को किसी भी प्रसारण में भाग लेने वाले या उल्लिखित व्यक्ति या संगठन के साथ निष्पक्ष रूप से व्यवहार करना चाहिए।

गाइडलाइन्स (मार्गदर्शिका)

8.1 उचित क्या है, और किसी व्यक्ति या संगठन के लिए अनुचितता खोजने की सीमा पर विचार करते समय निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखा जा सकता है:

- सामग्री के प्रकार (जैसे कि समाचार और समसामयिक मामले, राजनीतिक सामग्री, तथ्यात्मक, नाटकीय, हास्यपूर्ण या व्यंग्यात्मक)
- सामग्री का स्रोत (उदाहरणतः क्या सामग्री स्थानीय रूप से प्रसारक द्वारा या उसकी ओर से निर्मित की गई थी, या उनका स्रोत विदेश में था)
- व्यक्ति या संगठन की प्रकृति (उदाहरणतः मीडिया के साथ व्यवहार से परिचित एक सार्वजनिक व्यक्ति, राजनेता, या संगठन की तुलना में मीडिया के साथ व्यवहार में बिल्कुल भी नहीं या कम अनुभव वाले सामान्य व्यक्ति के लिए अन्याय या अनौचित्य को खोजने की सीमा ज्यादा होगी; चाहे वह व्यक्ति या संगठन न्यूज़ीलैंड में स्थित हों या विदेशों में)
- क्या कार्यक्रम ने दर्शकों को व्यक्ति या संगठन के प्रति अनुचित रूप से नकारात्मक छाप के साथ छोड़ दिया होगा
- क्या कोई आलोचनात्मक टिप्पणी का लक्ष्य भागीदार का व्यवसाय या प्रोफेशनल (पेशेवर) जीवन, या उनका निजी जीवन था
- प्रसारण का सार्वजनिक महत्व और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संदर्भ में इसका महत्व
- लक्षित और संभावित ऑडियंस, और दर्शकों की अपेक्षाएं
- कार्यक्रम लाइव था या पहले से रिकॉर्ड किया गया था
- व्यक्ति की अतिसंवेदनशीलता।

8.2 प्रतिभागियों और योगदानकर्ताओं को प्रसारण से पहले, कार्यक्रम के प्रकार और उनके प्रस्तावित योगदान के बारे में सूचित किया जाना चाहिए, सिवाय इसके कि जहाँ वह जनहित में उचित हो, या जहाँ कार्यक्रम के संदर्भ में उनकी भागीदारी मामूली हो।

8.3 क्या सूचित सहमति की आवश्यकता थी या प्रतिभागी अथवा योगदानकर्ता से उसे प्राप्त किया गया था या नहीं, यह निर्धारित करने में एक प्रासंगिक विचार हो सकता है कि क्या उस प्रतिभागी या योगदानकर्ता के साथ उचित व्यवहार किया गया था (देखें दिशानिर्देश 7.10 और 7.11 जो 'सूचित सहमति' का गठन करता है)।

8.4 यदि किसी प्रसारण में संदर्भित या चित्रित किसी व्यक्ति या संगठन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, तो उस व्यक्ति या संगठन को आमतौर पर प्रसारण से पहले कार्यक्रम के लिए टिप्पणी करने का एक उपयुक्त और उचित अवसर दिया जाना चाहिए। 'निष्पक्ष और उचित' क्या है यह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

8.5 टिप्पणी[5] प्राप्त करने के साधन के रूप में किसी व्यक्ति या संगठन के निजी मामले में हस्तक्षेप करना आमतौर पर अनुचित होगा, जब तक कि टिप्पणी प्राप्त करने के सभी वैध और उचित तरीके समाप्त नहीं हो जाते हैं।

8.6 संपादित अंशों को समग्र घटनाओं या व्यक्त किए गए विचारों के कार्यकाल को उचित रूप से प्रतिबिंबित करना चाहिए।

8.7 प्रसारकों को बहका कर/गलतबयानी से या धोखे से प्राप्त जानकारी (छिपे हुए कैमरे या गुप्त रिकॉर्डिंग डिवाइस सहित) को प्रसारित नहीं करना चाहिए, सिवाय इसके कि जहाँ उसे सार्वजनिक हित द्वारा उचित ठहराया जाता है।

8.8 हास्य की वैध अभिव्यक्ति के रूप में शरारती फोन कॉल का उपयोग आमतौर पर स्वीकार्य होगा, लेकिन अनिश्चित (असंबद्ध) पार्टियों को अनुचित नुकसान से रोकने के लिए सावधानी बरती जानी चाहिए।

8.9 कार्यक्रम में दिखाए गए व्यक्तियों, और विशेष रूप से बच्चों और युवाओं का शोषण, अपमान या उनकी अनुचित रूप से पहचान नहीं की जानी चाहिए।

8.10 जहाँ कार्यक्रम परेशान करने वाली परिस्थितियों (जैसे कि दु:ख और शोक) का सामना करते हैं, वहां प्रसारकों को विवेक और संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

टीका-टिप्पणी

इस मानक का उद्देश्य कार्यक्रमों में दिखाए गए लोगों की गरिमा और प्रतिष्ठा की रक्षा करना है। यह दर्शकों के लिए 'निष्पक्षता' या क्या मुद्दों/तथ्यों को 'उचित' या भ्रामक रूप से व्यक्त किए जाने को संबोधित नहीं करता (जो सटीकता या संतुलन मानकों के मामले हैं)।

व्यक्तियों और संगठनों को यह अपेक्षा करने का अधिकार है कि उनके साथ न्यायसंगत और निष्पक्ष रूप से व्यवहार किया जाएगा और अनुचित हानि से सुरक्षित रखा जाएगा। निष्पक्षता का आकलन करने में, इस अधिकार को प्रसारकों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और जनहित में सूचना के प्रसार में उनकी भूमिका के विरुद्ध मापा जाता है।

5 *'डोरस्टेपिंग'* ('निजी मामले में हस्तक्षेप') का संदर्भ बिना किसी पूर्व चेतावनी के, किसी साक्षात्कार या किसी के साथ साक्षात्कार के प्रयास के फिल्मांकन या रिकॉर्डिंग से है।

बीएसए की शिकायत प्रक्रिया

बीएसए की शिकायत प्रक्रिया

मैं किस प्रकार के कार्यक्रम के बारे में शिकायत कर सकता/सकती हूँ।

आप न्यूज़ीलैंड में टीवी अथवा रेडियो पर प्रसारित होने वाले किसी भी कार्यक्रम से संबंधित शिकायत कर सकते हैं।

शिकायत कैसे करें?

औपचारिक शिकायतें पहले प्रसारक के पास भेजी जानी चाहिए (जब तक कि यह केवल गोपनीयता या चुनाव कार्यक्रमों के बारे में न हो, उस स्थिति में आप इसे सीधे बीएसए को भेज सकते हैं)।

किसी प्रसारण के 20 कार्य-दिवसों के भीतर आपको अपनी शिकायत करनी होगी।

बी एस ए (BSA) किस संबंध में शिकायतें स्वीकृत करेगा?

- ✓ प्रसारण हेतु स्वतंत्र टी.वी. कार्यक्रम
- ✓ पे टीवी कार्यक्रम
- ✓ रेडियो कार्यक्रम
- ✓ माँग पर देखे या सुने जाने वाले कार्यक्रम (केवल तभी जब आप टीवी या रेडियो पर प्रसारित उस सामग्री का विवरण प्रदान कर सकते हैं और उस प्रसारण के 20 कार्य दिवसों के भीतर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं)
- ✓ टीवी अथवा रेडियो पर चुनाव विज्ञापन (चुनावों के समय)
- ✗ विज्ञापन प्रसारण (एडवरटाइजिंग स्टैन्डर्ड्स अथॉरिटी से संपर्क करें)
- ✗ कार्यक्रम अनुसूची (प्रसारणकर्ता से संपर्क करें)
- ✗ प्रसारणकर्ता की वेबसाइट लिखित सामग्री (प्रसारक से संपर्क करें)
- ✗ माँग पर देखे या सुने जाने वाले कार्यक्रम – यदि आप टीवी या रेडियो पर प्रसारित समान सामग्री के विवरण को प्रदान नहीं कर सकते (प्रसारक से संपर्क करें)
- ✗ प्रसारणकर्ता की वेबसाईटस पर समाचार व वर्तमान मामले, जो टी.वी. अथवा रेडियो पर प्रसारित नहीं हुए हैं (न्यूज़ीलैंड मीडिया काउंसलि से संपर्क करें)

मैं किन मुद्दों संबंधी शिकायत कर सकता/सकती हूँ?

आप निम्नलिखित मुद्दों संबंधी शिकायत कर सकते हैं:

- आपत्तिजनक और परेशान करने वाली सामग्री
- अवैध या असामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देना
- बाल हित
- पक्षपात व अपमान
- संतुलन
- सटीकता
- गोपनीयता
- न्याय

मेरी शिकायत को एक 'औपचारिक शिकायत' बनाने हेतु क्या चाहिए?

एक औपचारिक शिकायत करने हेतु कुछ निश्चित आवश्यकताओं की पूर्ति जरूरी है। एक औपचारिक शिकायत अवश्य ही:

- लिखित रूप में होनी चाहिए
- एक विशिष्ट प्रसारण से संबंधित हो
- आवश्यक समय सीमा के भीतर की जानी चाहिए (आमतौर पर प्रसारण के 20 कार्य दिवसों के भीतर)
- प्रसारण की पहचान को यथोचित रूप से सक्षम करने के लिए पर्याप्त विवरण शामिल करें, उदाहरणत::
  - प्रसारण की तिथि
  - प्रसारण का समय (यदि ज्ञात हो, या यदि ज्ञात नहीं है, तो उस अवधि का एक उचित अनुमान जिसके भीतर इसे प्रसारित किया गया था, साथ ही सामग्री का पता लगाने में मदद करने के लिए आसपास की प्रसारण सामग्री या किसी अन्य जानकारी के बारे में जितना संभव हो उतना विवरण)[6]
  - कार्यक्रम का शीर्षक
  - चैनल अथवा स्टेशन जिस ने कार्यक्रम प्रसारित किया था
- एक आरोप हो कि विशेष प्रसारण मानकों का उल्लंघन किया गया है।

6 प्रसारकों के सीमित संसाधनों को मान्यता देना, और वह समय जो विशिष्ट सामग्री का पता लगाने में शामिल हो सकता है, एक उचित अनुमान में आमतौर पर तीन घंटे से ज्यादा मौके के भीतर अवधि की पहचान करना शामिल होगा। हालांकि अवधि का एक उचित अनुमान काफी कम हो सकता है जहां सामग्री का पता लगाना अधिक चुनौतीपूर्ण है (यानि केवल एक टिप्पणी या शब्द)।

इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं करने वाली शिकायतें बीएसए शिकायत प्रक्रिया के अंतर्गत नहीं आती हैं और प्रसारक उन्हें केवल फीडबैक के रूप में मान्यता दे सकते हैं।

एक ऐसी एजेंसी के रूप में जो बोलने की स्वतंत्रता के मुद्दों से निपटती है, हम फीडबैक (प्रतिक्रिया) को महत्व देते हैं। हालांकि, बीएसए कर्मचारियों के लिए हानिकारक संचार – जैसे कि अपमानजनक या आक्रामक टिप्पणियां और उत्पीड़न – कभी भी स्वीकार्य नहीं होते हैं और इसके परिणामस्वरूप प्राधिकरण आपकी शिकायत निर्धारित करने से इनकार कर सकता है।

प्रसारक

प्रसारणों का अवधारण:

शिकायत की स्थिति में, रिकॉर्डिंग तक पहुंच प्रसारक को अपने दृष्टिकोण के बारे में बहस करने में मदद करती है और यह सुनिश्चित करती है कि बीएसए प्रसारण की सामग्री, संदर्भ और लहजे की सही समझ प्राप्त करे।

प्रसारकों से अपेक्षा की जाती है कि वे प्रसारण की रिकॉर्डिंग को कम से कम 35 दिनों तक बनाए रखें। जहाँ एक प्रसारण किसी शिकायत का विषय है (विशेष रूप से जहाँ शिकायतकर्ता इसे प्राधिकरण के पास भेजने के इरादे को इंगित करता है), प्रसारकों को रिकॉर्डिंग को तब तक बनाए रखना होगा जब तक:

- शिकायत निर्देश के संदर्भ में प्राधिकरण के पास भेज दी गई हो या
- प्राधिकरण को शिकायत भेजने की अंतिम तिथि के बाद 20 दिनों की समाप्ति (यदि प्रसारक को शिकायत के प्राधिकरण को संदर्भित करने का कोई संकेत नहीं मिला है)।

शिकायत प्रक्रिया के बारे में अधिक विस्तृत जानकारी हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए WWW.BSA.GOVT.NZ वेबसाइट पर जाएं

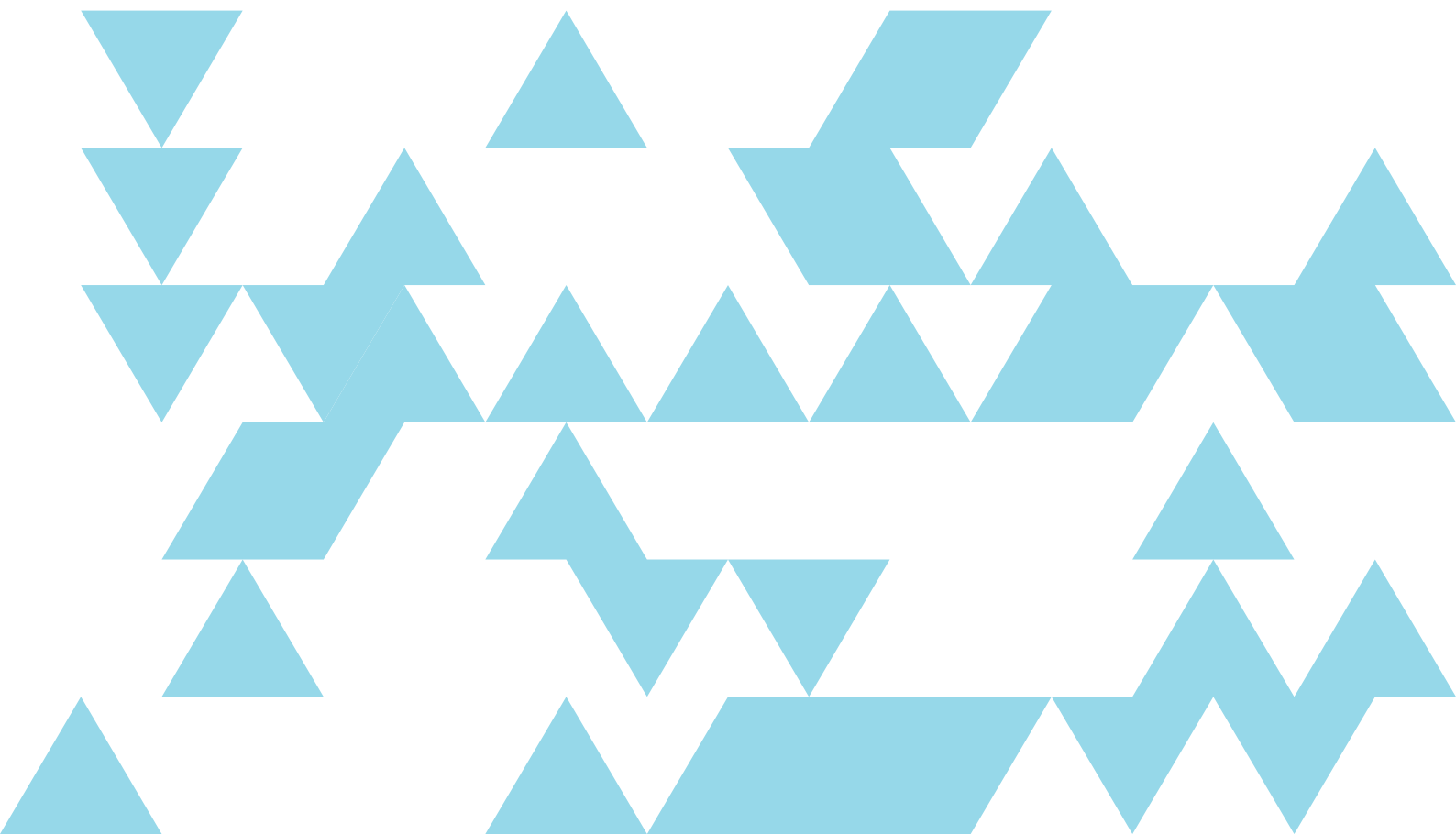

BSA
BROADCASTING STANDARDS AUTHORITY
TE MANA WHANONGA KAIPĀHO

Te Mana Whanonga Kaipāho
Broadcasting Standards Authority

Level 2, 119 Ghuznee Street
PO Box 9213, Wellington 6141, New Zealand

T: 04 382 9508 FREEPHONE: 0800 366 996
E: info@bsa.govt.nz

www.bsa.govt.nz